दिनांक - 25 फरवरी, 2023

भूकंप में सुरक्षित रहेंगे घर, अभियंताओं ने कसी कमर
-बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण व आईआईटी,
पटना के बैनर तले सिविल इंजीनियरों की दो दिनी प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

पटना। हाल ही में सीरिया और तुर्की में आए भूकंप की विनाशलीला दुनिया ने देखी। भूकंप के सर्वाधिक खतरनाक जोन में रहने की वजह से बिहार ऐसे मंजर पहले देख चुका है। असुरक्षित निर्माण भूकंप में तबाही की बड़ी वजह बनते हैं। भूकंप से होने वाले नुकसान को कम से कम करने के लिए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लगातार प्रयासरत है। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) जैसे उत्कृष्ट तकनीकी संस्थानों के साथ मिलकर प्राधिकरण ने इस दिशा में कई पहल की है। इसी कड़ी में 24 व 25 फरवरी को बामेती, पटना में प्राधिकरण व आईआईटी, पटना के संयुक्त तत्वावधान में सिविल इंजीनियरों की दो दिनी राज्यस्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। भूकंप सुरक्षित निर्माण एवं भवनों के रिट्रोफिटिंग से संबंधित विषयों पर आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में भवन निर्माण विभाग तथा नगर विकास एवं आवास विभाग के कार्यपालक एवं सहायक अभियंता स्तर के अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत मिश्र, माननीय सदस्यद्वय श्री पी एन राय एवं श्री मनीष कुमार वर्मा तथा आईआईटी के प्रोफेसर डॉ. वैभव सिंघल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। माननीय उपाध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में विगत वर्षों में भारत में आए कई बड़े भूकंप तथा हाल में सीरिया एवं तुर्की में आए 7.8 रिक्टर स्केल के भूकंप की पृष्ठभूमि में बिहार राज्य के संवेदनशील होने के कारण भवनों के निर्माण में निर्माण संहिता के प्रावधानों के पूर्णतया अनुपालन पर जोर दिया। साथ ही पुराने भवनों के भूकंपीय क्षमता का आकलन कर उनके रिट्रोफिटिंग की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए सिविल इंजीनियर की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। माननीय सदस्य श्री पी एन राय ने पूर्व तैयारी, न्यूनीकरण एवं क्षमतावर्धन के महत्व की चर्चा करते हुए अभियंताओं को प्रतिबद्ध होकर कार्य करने की सलाह दी। माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा ने भूकंप आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए इनसे जुड़े विभिन्न आयामों पर अपने ज्ञान एवं अनुभव साझा किए। प्राधिकरण एवं आईआईटी, पटना के बीच संपन्न एमओयू के आधार पर भवनों के भूकंप के मूल्यांकन हेतु एक मार्गदर्शिका तैयार की गई है, जिसके आधार पर भवनों की क्षतिग्रस्तता ग्रेड का मात्रात्मक आकलन करना संभव हो सकेगा। प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर डॉ. सिंघल के नेतृत्व में इस मार्गदर्शिका को तैयार किया गया है। प्राधिकरण के तकनीकी सलाहकार डॉ. बी के सहाय, प्रोफेसर डॉ वैभव सिंघल, श्री राम बाबू, अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, सहायक प्राध्यापक श्री मिथिलेश कुमार एवं डॉ साकेत कुमार ने रिसोर्स पर्सन के रूप में इस प्रशिक्षण के तकनीकी सत्र में भाग लिया। प्रतिभागियों को क्षेत्र भ्रमण के लिए ले जाकर रैपिड विजुअल स्क्रीनिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।